पदार्थो में नहीं मिलता सुख - आचार्य महाप्रज्ञ

मोमासर 3 अप्रेल जैन धर्म की गीता के रूप में चर्चित संबोधि ग्रंथ के रचियता आचार्य महाप्रज्ञ ने संबोधि पर प्रवचन करते हुए कहा कि कर्मवाद का सिद्धान्त है कि जो आदमी धर्म करता है, वह सुखी होता है और जो अधर्म करता है वह दुख को प्राप्त करता है । पर आज व्यवहार जगत में इसके ठीक उल्टा हो रहा है । धर्म करने वाला दुखी हो रहा है और अधर्म करने वाला अनैतिकता का आचरण करने वाला इतना जल्दी आगे बढ जाता है । रिश्वत, लुटपात से करोडों की सम्पति बना लेता है । लेकिन जो जीवनभर धर्म करता है बुढापे में उसके पास खाने की रोटी नहीं होती । परिवार और पडोसी अनुकुल नहीं मिलते । यह यक्ष प्रश्न है किसी के भी मन में उठ सकता है । क्योंकि वह धर्म और अधर्म के तत्व को सम्यक्तया नहीं जानता । अगर वह इसके रहस्य को जानता तो उसके मन में धर्म से खुख नहीं मिलता ऐसा विकल्प नहीं उठता । धर्म से सुख मिलता है इस बात को जानने वाला विकल्प में उलझता नहीं है । बल्कि वह सुख क्या है इस बात को जानने का प्रयास करता है ।

आचार्य प्रवर ने कहा कि सुख पदार्थो में नहीं मिलता । सुख का बहुत बडा स्त्रोत हमारे भीतर है । यह हमारी भ्रांति रहती है कि केवल पदार्थो का भोग करने से ही सुख मिलता है । हम इन्द्रियों के द्वारा बाहर का सुख अनुभव करते हैं । आध्यात्म की पद्धति के द्वारा भीतर केसुख को प्रकट करना सीख लें तो यह पदार्थों का सुख तुच्छ लगने लग जायेगा । सुख वह होता है जिसका परिणाम अच्छा होता है । उन्होने कहा कि जो धर्म और अधर्म तत्वों को नहीं जानता वह मूढ हो जाता है । मूर्ख वह होता है जो अज्ञानी है और मूढ वह होता है जो जानता हुआ भी कुछ नहीं जानता । उन्होने केवल कार्य को ही नहीं परिणाम को भी देखने की जरूरत बताई ।

युवाचार्य महाश्रमण ने गीता और उतराध्ययन के तुलनात्मक विवेचन में कहा कि यथार्थ को जो ग्रहण नहीं कर सकता उसे राजसी बुद्धि कहते हैं । जो धर्म और अधर्म का सम्यक्तया ज्ञान वहीं कर पा रही हो और क्या कर्तव्य है क्या अकर्तव्य है इसका विवेक नहीं कर पा रही हों वह बुद्धि राजसी बुद्धि कहलाती है । उन्होने कहा कि जो व्यक्ति अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक नहीं है तो उसमें कमी रह जाती है । उन्होने कहा कि माता पिता का स्थान पूज्य होता है जहां तक हो सके उनकी अनुज्ञा नहीं करनी चाहिए ।

विराट कैंसर रोग निदान शिविर आज

आचार्य महाप्रज्ञ की अनुशासना में मानव उत्थान एवं नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक गतिविधियों का संचालन करने वाली संस्था अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वाधान में आज प्रातः 9 बजे विराट कैंसर रोग निदान शिविर का आयोजन किया जावेगा । स्थानीय राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा समाधान दिया जावेगा एवं परीक्षण किया जावेगा ।

आज आएंगें के.पी.सुदर्शन

मोमासर में रविवार शाम को राष्ट्रिय स्वंय सेवक संघ के पूर्व सरसंघ संचालक के.पी.सुदर्शन पहुचेगें । रविवार को मोमासर में रात्रि विश्राम करने के बाद सोमवार को प्रात संध के कार्यक्रताओं के साथ शाखा में रूबरू होगें । इसके बाद आचार्य प्रवर के सान्निध्य में अंहिसां और अभयप्रधान जीवन शैली विषय में चर्चा करेगें । इस दौरान पूर्व सरसंघ संचालक और आचार्य प्रवर के मध्य वार्ता का भी आयोजन किया जावेगा ।